Printed Pages – 1

HS-781

LL. M. (Fourth Semester) Examination, 2021

Paper : First

PENOLOGY TREATMENT of OFFENCERS

Maximum Marks : 100

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

Note: *Attempt all questions. Each question carries equal marks.*

1. ''मृत्युदण्ड अपराधी के स्वयं में सुधार हेतु कोई अवसर प्रदान नहीं करता।'' इस कथन की विवेचना कीजिए। इस सम्बन्ध में भारत के उच्चतम न्यायालय के रुझान की विवेचना कीजिए।

"Death penalty does not give an opportunity to the offender to improve himself." Examine this statement. Discuss the judicial trend of Supreme Court of India in this regard.

2. ''परिवीक्षा कार्य का वास्तविक उद्देश्य परिवीक्षा पर नियुक्त के व्यवहार में परिवर्तन लाना है और इस प्रकार यह अपराधवृत्ति के विरुद्ध सुधारात्मक प्रतिकार के बहुत करीब है।'' विवेचना कीजिए।

"The true objective of probation work is to change the attitude of the probationer and thus it is more akin to treatment reaction to criminality." Discuss.

3. सफेदपोश अपराधों में दण्ड की विवेचना करते हुए उन कारणों की विवेचना कीजिए जिनसे भारत में सफेदपोश विरोधी विधायन असफल हो गये हैं।

While discussing the sentencing in white-collar crime discuss the reasons for failure of antiwhite collar crime legislation in India.

4. पुलिस अभिरक्षा एवं न्यायिक अभिरक्षा में अपनाए गए अमानवीय तरीकों के कारण मृतकों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसे रोकने के उपाय समझाइये।

Because of in human methods adopted in police and judicial custody, deaths of offenders is increasing. Suggest some measures to stop them.